REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 5 | FEBRUARY - 2019

महाविद्यालय स्तर पर वाणिज्य संकाय में छात्राओं का बढ़ता आकर्षण (सिवनी जिले के संदर्भ में)

डॉ. अमिताप शर्मा
वणिज्य विभाग , शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी, (म.प्र.)

सारांशः—

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश का सिवनी जिला अपनी सांस्कृतिक पुरातात्विक एवं शैक्षणिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण जिला है। यद्यपि इस जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का बाहुल्य फिर भी विगत कुछ वर्षो से वाणिज्य के क्षेत्र में न सिर्फ छात्रों बल्कि छात्राओं का भी रूझान बढ़ा है यहां यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि वाणिज्य में बी. कॉम एवं एम. कॉम करने के साथ ही साथ वर्तमान में विद्यार्थियों का रूझान सी. ए., आई. सी. डब्ल्यू. ए., सी. एस., एम. बी. ए. के प्रति भी बढ़ा है यहां के विद्यार्थी अल्प सुविधाओं के बावजूद प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों में शिक्षा के प्रति बढ़ चढ़कर रूचि ले रहे है। अत: शोध पत्र में सिवनी जिले के उच्च शिक्षा में वाणिज्य संकाय में छात्राओं के बढ़ते आकर्षण को ज्ञात कर उसका विश्लेषणात्मक अध्ययन करके सुधारात्मक सुझाव प्रस्तुत किये गये है।

मुख्य शब्दः महाविद्यालय उच्च शिक्षा, वाणिज्य शिक्षा, विद्यार्थी, विश्वविद्यालय।

प्रस्तावनाः—

मध्यप्रदेश में विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त१३८५शासकीय एवं निजी महाविद्यालय है मध्यप्रदेश षासन उच्च शिक्षा विभाग के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में इस समय ५१६शासकीय महाविद्यालय संचालित है इन महाविद्यालयो में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में दिनों—दिन तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। जिसमें वाणिज्य संकाय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं का आकर्षण तथा रूझान धीरे—धीरे बढ़ता जा रहा है यह रूझान इनकी प्रवेश क्षमता से स्पष्ट परिलक्षित होता है।

अध्ययन के उद्देश्यः—

मध्यप्रदेश राज्य के सिवनी जिले में महाविद्यालयीन स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन के लिये वाणिज्य संकाय के प्रति छात्राओं का अधिक रूझान के कारणों को ध्यान में रखते हुये प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्धेश्यों को शोध पत्र का आधार माना है।

१. छात्राओं में उच्च अध्ययन के लिये वाणिज्य शिक्षा के प्रति अधिक रूझान के कारणों का विश्लेषण करना।
२. वाणिज्य शिक्षा में प्रवेश क्षमता के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
३. वाणिज्य शिक्षा के प्रति सरकार का दृष्टिकोण का विश्लेषण करना।

४. वाणिज्य शिक्षा में छात्राओं के बढ़ते आकर्षण पैदा करने वाले कारको का अध्ययन प्रस्तुत करना।

साहित्यावलोकन:—

भारत में मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा बड़ा राज्य है तथा शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहा है प्रदेश में वाणिज्य विषय के प्रति आकर्षण धीरे—धीरे बढ़ता जा रहा है आज वाणिज्य विषय में प्रवेश हेतु बड़ी संख्या में विद्यार्थी आवेदन कर रहे है और अनेक विद्यार्थियों को प्रवेश से वंचित रहना पड़ रहा है।

यह तथ्य आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश के सत्र २०१८—१९ में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या से सिद्ध हो जाता है इसी क्रम में सिवनी जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी के द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका ''बैनगंगा'' में प्रकाशित रिपोर्ट में भी विद्यार्थियों की संख्या के बारे में वर्णन किया गया है।

शोध संरचना:—

मध्यप्रदेश राज्य के दक्षिण पूर्व क्षेत्र में स्थित सिवनी जिले में महाविद्यालय स्तर पर अध्ययन के लिये वाणिज्य विषय के प्रति छात्राओं का अधिक रूझान का विश्लेषण करने के लिये प्राथमिक एवं द्वितीयक समंको का प्रयोग किया गया है प्राथमिक समंको को प्राप्त करने के लिये महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओंसे व्यक्तिगत साक्षात्कार, प्राध्यापकों से साक्षात्कार, अभिभावकों से साक्षात्कार प्रश्नावली एवं अनुसूची विधियों का प्रयोग किया गया है जबकि द्वितीयक समंको एवं सूचनाओं की प्राप्ति के लिये महाविद्यालय की प्रवेश नीति, आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश के मार्गदर्शन विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम आदि को आधार माना गया है।

सिवनी जिले में सार्वजनिक क्षेत्र में उच्च शिक्षा का परिदृश्य:—

शोध सर्वे की दृष्टि से सिवनी जिले में स्थित शासकीय महाविद्यालयो के अध्ययन का क्षेत्र चयनित कर विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिवनी जिले में प्रमुखतया निम्नलिखित महाविद्यालय संचालित है।

तालिका १.१
सिवनी जिले में स्थापित महाविद्यालय—

क्र.	महाविद्यालय का नाम
१.	शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी
२.	नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्या महाविद्यालय सिवनी
३.	डी. पी. चतुर्वेदी अशासकीय महाविद्यालय सिवनी
४.	शासकीय कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय केवलारी
५.	शासकीय महाविद्यालय छपारा
६.	स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय लखनादौन

स्त्रोत:— आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

विभिन्न महाविद्यालयों में वाणिज्य शिक्षा के प्रति छात्राओं के बढ़ते रूझान का व्यापक विश्लेषण इन महावद्यिालयो के वाणिज्य संकाय में प्रवेशित संख्या के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करने के प्रयास किये गये है।

तालिका १.२
महाविद्यालयों में विभिन्न वर्षो में वाणिज्य विषय में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या —

क्र.	महाविद्यालय का नाम	२०१४—१५			२०१५—१६			२०१६—१७			२०१७—१८			२०१८—१९		
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
१.	शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी	३११	२९६	६०७	३०८	३४४	६५२	३२८	३८९	७१७	४२६	४५२	८७८	४३२	४७६	९०८
२.	नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्या महाविद्यालय सिवनी	.	१९७	१९७	.	१९३	१९३	.	२०७	२०७	.	२१३	२१३	.	२८९	२८९
३.	डी. पी. चतुर्वेदी अशासकीय महाविद्यालय सिवनी	१०५	७९	१८४	१५४	१०३	२५७	१२५	१४७	२७२	१५३	१७३	३२६	१२२	१८६	३०८
४.	शासकीय कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय केवलारी	२१	२६	४७	२९	३४	६३	३२	३७	६९	३३	३९	७२	२७	४८	७५
५.	शासकीय महाविद्यालय छपारा	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	१२	१७	२९
६.	स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय लखनादौन	८१	६८	१४९	९२	५१	१४३	८३	९१	१७४	८९	९३	१८२	९७	१०४	२०१

स्त्रोत :— महाविद्यालयों की प्रवेश नीति २०१६—१७, २०१७—१८, २०१८—१९.

तालिका १.२ से स्पष्ट है कि जिले मे विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययन के लिये सिवनी जिले के सभी महाविद्यालयों में वाणिज्य संकाय में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर तुलना करने में यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि छात्राओं की संख्या में विभिन्न वर्षो में लगातार वृद्धि हो रही है विभिन्न वर्षो के प्रवेश संबंधी आकड़ों के विश्लेषण से यह चौकाने वाले तथ्य भी सामने आये है कि छात्राओं के लिये निर्धारित आरक्षित सीटों की अपेक्षा वे छात्रों के लिये आवंटित सीटों में भी अपना स्थान लगातार बढ़ाते जा रही है।इसके साथ ही यदि उक्त वर्णित स्थिति का अवलोकन करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि महाविद्यालयों में प्रवेशित विद्यार्थी संख्या में व्यापक वृद्धि हो रही है परंतु वाणिज्य संकाय में प्रवेशित छात्राओं की संख्या में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि हो रही है वर्तमान समय में वाणिज्य संकाय में छात्राओं एवं छात्रों का अनुपात लगभग बराबर है जबकि पूर्व के दशकों में वाणिज्य विषय के प्रति छात्राओं का रूझान में अत्यधिक कमी देखने में आती थी।

वस्तुस्थिति का गंभीरता से अध्ययन करने के लिये एक लघु प्रश्नावली को आधार बनाया गया तथा प्रत्येक महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में प्रवेशित छात्राओंमें से १०—१० छात्राओं से संपर्क कर उनके रूझान को पहचानने का प्रयास किया गया प्रश्नावली में कई पूरक अथवा प्रति प्रश्न रखे गये तथा प्रत्यक्ष रूप से सूचना दाताओं से राय जानने का प्रयास किया गया हो।

अध्ययन के मुख्य अवलोकन :—

उत्तरदाता विद्यार्थीगण से हुई वार्ताओं तथा उनकी प्रत्युत्तर स्वरूप प्राप्त प्रतिक्रियाओं का यदि प्रश्नवार विश्लेषण करें तो सार रूप यह प्रकट हुआ कि वर्तमान समय में विद्यालयी स्तर पर तथा सीनियर कक्षाओं में संकाय तथा विषय चयन के प्रति विद्यार्थीगण स्वयं बोधगम्य अवस्था में रहते है तथा विभिन्न तरह की परमर्श सेवाओं के कारण भविष्य के प्रति जागरूक रहते है।

संस्थागत स्तर पर भी वर्तमान समय में शिक्षकों की परामर्श सेवाएं आमतौर पर उपलब्ध हो रही है तथा अभिभावक गण भी अत्याधिक जागरूक हो गये है तथा अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति अत्याधिक संवेदनशील है इस संबंध में निम्नलिखित अवलोकन मुख्य है—

१. विषय चयन को लेकर छात्राओं में नाम मात्र को छोड़कर प्राथमिकता का आधार पाया गया है।
२. भविष्य निर्माण हेतु महाविद्यालय में प्रवेश लेते समय छात्राओं को अपने विषय के क्षेत्र विशेष में भविष्य निर्माण को लेकर व्यापक संभावनाओं का ज्ञान पाया गया ज्यादातर उत्तर में यह पाया गया कि वाणिज्य संकाय को कम्प्यूटर कोर्स के साथ वाणिज्य विषय का अध्ययन अत्याधिक लाभप्रद है।
३. छात्राओं को सी. ए. आई. सी. डब्ल्यू. ए., सी. एस., एम. बी. ए. तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी है ऐसी स्थिति में वे सीधे अपना आकर्षण वाणिज्य संकाय की तरफ कर लेती है।

४. छात्राएं अपनी सखियों का प्रभाव, भीड़ के साथ अनुगमन को नजर अंदाज करती हुई संकाय चयन को अपना निर्णय मानती है क्योंकि उनका चयन सुविचारित योजना का भाग होता है।
५. संकाय चयन की पृष्ठभूमि में कुछ को छोड़कर अधिकांश छात्राएं मूल कारण को प्रकट करती है छात्राओं का आगामी मिशन क्या— कुछ है ? इसकी दिशा दृष्टिगोचर पायी गयी है।
६. छात्राओं में विषय चयन की जागरूकता अत्याधिक है और वे संकाय चयन के प्रति गंभीरता को व्यक्त कर पायी।

सुझाव :—

वाणिज्य जैसे व्यावहारिक, प्रायोगिक तथा दैनिक दिनचर्या में काम आने वाले विषय के प्रति आकर्षण और रूझान अभिवृद्धि हेतु निम्नलिखित कदम सुधारात्मक दृष्टि से उठाना उपादेय होंगे—

१. संकाय/विषय चयन के समय संस्थागत स्तर पर प्रभावी परामर्श सेवा की व्यवस्था हो।
२. विद्यार्थी के परिवार स्तर पर अभिभावकगण की जागरूकता अपेक्षित है।
३. वाणिज्य विषय के पेशेवर पाठ्यक्रमों की व्यापक जानकारी देने की व्यवस्था करनी चाहिए।
४. चिकित्सा तथा अभियान्त्रिकी पाठ्यक्रमों की ही तरह सी. ए., सी. एस., एम. बी. ए. आदि को वाणिज्यिक छात्राओं के लिये विशिष्ट क्षेत्र बनाया जाये। इसी तरह बैंकिंग—बीमा क्षेत्र की सेवाओं को भी वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट रखा जाये।
५. संकाय चयनोपरान्त सतत् रूप से शैक्षणिक प्रगति एवं व्यक्तिगत मूल्यांकन की व्यवस्था स्थापित हो।
६. वाणिज्य विषय के साथ गणित, अंग्रेजी तथा अद्यतन कम्प्यूटर तकनीक का समावेश हो।
७. प्रतियोगी परीक्षाओं में वाणिज्यिक विषयों को प्रधानता तथा विस्तार दिया जाए।
८. हर स्तर पर काउन्सलिंग की प्रभावी व्यवस्था बनायी जाये।
९. वाणिज्यिक विषयों को आर्थिक, व्यावसायिक तथा औद्योगिक क्षेत्रों के साथ अन्तर्विषयक बनाया जाये।
१०. वाणिज्यिक क्षेत्र में रोजगारपरक क्षेत्रों की व्यापक जानकारी दी जाये।
११. वाणिज्य विषयों को छात्राओं हेतु अद्यतन बनाये जाने का सतत् प्रयत्न करने का प्रयास किया जाये।

संदर्भ ग्रंथ सूची—

१. आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन की प्रवेश नीति सत्र— २०१५—१६, २०१६—१७, २०१७—१८, २०१८—१९
२. सिवनी जिले में स्थित शासकीय महाविद्यालयों की प्रवेश विवरणिकायें सत्र— २०१५—१६, २०१६—१७, २०१७—१८, २०१८—१९
३. मध्यप्रदेश पत्रिका, दैनिक भास्कर
४. पाक्षिक पत्रिका योजना २०१६—१७, २०१७—१८, २०१८—१९
५. मासिक पत्रिका कुरूक्षेत्र २०१७—१८, २०१८
६. ''बैंनगंगा'' पत्रिका शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी

वेबसाईट—

- www.mpgov.nic.in
- www.mphighereducation.nic.in

डॉ. अमिताप शर्मा
वणिज्य विभाग , शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी, (म.प्र.)